

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 6 दिसम्बर, 1983

क्रमांक 1266-ज-I-83/40353.—इस विभाग की अधिसूचना क्रमांक 11821-जे-एन-III-65/6776, दिनांक 14 दिसम्बर, 1965, द्वारा श्री प्रीतम सिंह, पुत्र श्री भगत सिंह, गांव झुंगेपुर, तहसील नाराय गढ़, जिला अम्बाला, को प्रदान की गई 100 रुपये वार्षिक जागीर की राशि जो अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा खरीफ, 1970 से 150 रुपये वार्षिक कर दी गई थी, बढ़ा कर रबी, 1973 से खरीफ, 1975 तक 200 रुपये वार्षिक, रबी, 1976 से खरीफ, 1979 तक 250 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 400 रुपये वार्षिक की दर से प्रदान की जाती है।

दिनांक 7 दिसम्बर, 1983

क्रमांक 1569-ज-(I)-83/40530.—श्री गजराज सिंह, पुत्र श्री हीरा सिंह, गांव नागल पठानी, तहसील रिवाड़ी, जिला गुड़गांव, को दिनांक 29 मार्च, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री गजराज सिंह को मुल्लिंग 150 रुपए वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 4773-जे-एन-II-65/2319, दिनांक 5 जून, 1965, तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सुमित्रा देवी विधवा श्री गजराज सिंह, निवासी गजराज विला, 170 सिविल लाइन गुड़गांव, तहसील व जिला गुड़गांव, के नाम खरीफ, 1981 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 12 दिसम्बर, 1983

क्रमांक 1644-ज-(II)-83/40960.—श्री झण्डा सिंह, पुत्र श्री अतर सिंह, गांव नारनौल, तहसील नारनौल, जिला महेन्द्र गढ़ की दिनांक 12 जुलाई, 1983 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री झण्डा सिंह को मुल्लिंग 400 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2464-जे-एन-III-64/8674, दिनांक 16 मई, 1966, अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-II-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-जे-I-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती मान कौर के नाम रबी, 1984 से 400 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 13 दिसम्बर, 1983

क्रमांक 1667-ज-(II)-83/41179.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3 (1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल, श्री बनी सिंह, पुत्र श्री भगवान सिंह, गांव बहवलपुर, तहसील व जिला जीन्द, को रबी, 1975 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत की युद्ध जागीर, सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 14 दिसम्बर, 1983

क्रमांक 1443-ज(I)-83/41305.—श्री इन्द्रमन, पुत्र श्री कन्हैया लाल, गांव बुझाना, तहसील मोहाना, जिला सोनीपत, को दिनांक 8 जनवरी, 1983 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री इन्द्रमन को मुल्लिंग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 6219-र-III-70/2475, दिनांक 27 जनवरी, 1971 तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-जे-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती मनमरी के नाम खरीफ 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

टी० आर० तुली,
प्रवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व विभाग।